कहानी का सारांश

एक छोटा बच्चा रात होने पर बाहर आता है और आकाश में चंदा मामा को देखने लगता है। वह चंदा मामा को बुलाता है और उन्हें छत पर आने के लिए कहता है। लेकिन बादल आ जाते हैं और चंदा मामा को छिपाने लगते हैं।

बच्चा बादलों से कहता है कि वह चंदा मामा को देखना चाहता है। बादल चंदा मामा से माफ़ी मांगते हैं और चले जाते हैं। अब चंदा मामा फिर से दिखाई देते हैं और बच्चा खुश हो जाता है।

शब्दार्थ:

चंदा मामा : चंद्रमा को बच्चों के बीच चंदा मामा कहा जाता है।

गपशप : दो या दो से अधिक लोगों के बीच बिना किसी मतलब के बातचीत करना।

मुस्कराना : चेहरे पर हंसी की रेखाओं का आना।

गोल-गोल : गोल आकार का।

अंधकार : जो जगह पर बिल्कुल अंधेरा हो, जैसे की रात के समय

बुलाना : किसी को बुलाकर आने के लिए कहना या पुकारना

पाठ २३ चंदा मामा

प्रश्न-अभ्यास

चित्रकारी और लेखन

'चंदा मामा' कहानी को चित्रों की सहायता से फिर से बताइए। कुछ वाक्य भी लिखिए –

उत्तर - चित्र स्वयं बनाइए।

कुछ वाक्य - रात हो गई है और आसमान में अंधकार है, लेकिन चंदा मामा आसमान में चमक रहे हैं। बादल जी नहीं आएं, चंदा मामा मुस्कुराते हैं। बच्चा चंदा मामा को देखने के लिए बहुत उत्साहित हैं और वे उन्हें बुलाते हैं।

शब्दों का खेल

अक्षरों को क्रम में रखते हुए शब्द बनाइए –

त	**रा**		**=**	रात
ल	**द**	**बा**	**=**	बादल
स्ते	**म**	**न**	**=**	नमस्ते
स्क	**म**	**रा**	**=**	मुस्करा
शप	**ग**	**प**	**=**	गपशप
अं	**रा**	**धे**	**=**	अँधेरा

खोजें-जानें

रोज़ रात में चाँद को देखिए और चाँद का आकार बनाइए।

उत्तर - पूर्णिमा से लेकर अमास तक और अमास से लेकर पूर्णिमा तक।